नेपोलियन के पतन के कारण (भाग-1)

(Causes for the Downfall of Napoleon)

For:U.G. Part-2,Paper-4

नेपोलियन एक महान योद्धा और विजेता था। अपने परिश्रम के बल पर उसने यूरोप में एक विशाल साम्राज्य की स्थापना कर ली जिसको **'ग्रैंड एम्पायर'** कहा गया। नेपोलियन के इस साम्राज्य की स्थापना उसके अद्भुत विजयों की एक महान श्रृंखला के फल स्वरुप हुई थी । क्षेत्रफल के लिहाज से 1810 ई. से 1811ई. के बीच नेपोलियन का प्रभाव अपने सर्वोच्च शिखर पर पहुंच चुका था। इस समय यह बाल्कन प्रायद्वीप को छोड़कर यूरोप की संपूर्ण मुख्य भूमि पर फैल चुका था। इसका केंद्र फ्रांसीसी साम्राज्य था जो चारों ओर से आश्रित और समर्थक राज्यों से घिरा हुआ था ।लगभग सारा का सारा स्पेन, इटली जर्मनी का राइन संघ उसके आश्रित राज्य थे। ऑस्ट्रिया, प्रशा और रुस और उसके समर्थक राज्य थे। नेपोलियन का यह विशाल साम्राज्य शक्ति पर आधारित था किंतु अंदर ही अंदर वह खोखला था। इस स्थिति को वह भली प्रकार समझते हुए कहता था कि- **जिस दिन मेरा बाहुबल समाप्त हो जाएगा उस दिन मेरा प्रभाव भी समाप्त हो जाएगा और लोग मुझ से डरना**

Scanned with CamScanner

छोड़ देंगे। वास्तव में उसकी यह बात सत्य साबित हुई। नेपोलियन के पतन के निम्नलिखित कारण थे :-

1. <u>**युद्ध दर्शन :**</u> नेपोलियन का उद्भव सेनापति के रूप में हुआ और युद्ध ने ही उसे फ्रांस की गद्दी दिलाई। इस तरीके से युद्ध उसके अस्तित्व के लिए अनिवार्य पहलू हो गया था। उसने कहा भी कि **जब यह युद्ध मेरा साथ नहीं देगा तब मैं कुछ भी नहीं रह जाऊंगा तब कोई दूसरा मेरी जगह ले लेगा**। अतः निरंतर युद्धरत रहना उसमें विजय प्राप्त करना उसके अस्तित्व के लिए जरूरी था। किंतु युद्ध के संदर्भ में एक सार्वभौमिक सत्य है कि युद्ध समस्याओं का हल नहीं हो सकता और ना अस्तित्व का आधार। इस तरह नेपोलियन परस्पर विरोधी तत्वों को साथ लेकर चल रहा था। जब मित्र राष्ट्रों ने उसे युद्ध में पराजित कर निर्वासित कर दिया तब इस पराजित नायक को फ्रांस की जनता ने भी भुला दिया।
2. <u>**राष्ट्रवाद की भावना का प्रसार -**</u> विजित प्रदेशों में राष्ट्रवाद की भावना का विकास नेपोलियन के पतन का कारण बना। नेपोलियन ने केवल दूसरे राज्य को जीता ही नहीं था वह अपना एक वंश निर्माण भी कर रहा था। हालैंड, स्पेन,

Scanned with CamScanner

इटली आदि देशों में उसके सगे संबंधी शासन कर रहे थे। इस तरह दूसरे देशों में नेपोलियन का शासन विदेशी था। राष्ट्रवाद की भावना से प्रभावित होकर यूरोपीय देशों के लिए विदेशी शासन का विरोध करना उचित था। राष्ट्रीय विरोध के आगे नेपोलियन की शक्ति टूटने लगी और उसे जनता के राष्ट्रवाद का शिकार होना पड़ा।

3. **महाद्वीपीय व्यवस्था** - महाद्वीपीय नीति नेपोलियन के लिए आत्मघाती सिद्ध हुई। इस व्यवस्था ने नेपोलियन को अनिवार्य रूप से आक्रामक युद्ध नीति में उलझा दिया जिसके परिणाम विनाशकारी हुए। उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी। इसी संदर्भ में उसे स्पेन और रुस के साथ संघर्ष करना पड़ा।

4. **अंग्रेजी जहाजी बेड़े की श्रेष्ठता -** नेपोलियन स्थल का विजेता था। उसकी जहाजी बेड़ा शक्तिशाली नहीं था ट्राफल्गर के युद्ध में नेल्सन ने फ्रांस तथा स्पेन के संयुक्त जहाजी बेड़े का विनाश कर अंग्रेजी जहाजी बेड़े की शक्ति को सर्वोपरि बना दिया। शक्तिशाली जहाजी बेड़े के कारण ही इंग्लैंड ने नेपोलियन से अपने देश की रक्षा की। इसी के आधार पर उसने नेपोलियन की महाद्वीपीय योजना का

Scanned with CamScanner

जमकर मुकाबला किया। इस प्रकार अंग्रेजों ने शक्तिशाली जहाजी बेड़े से नेपोलियन का दृढ़ता पूर्वक सामना किया और अंत में उसको बहुत निर्बल कर दिया।

5. **<u>उग्र सैनिकवादी</u>** - नेपोलियन का विकास युद्ध में ही हुआ था ।उसने कभी भी युद्धों को विस्मृत नहीं किया। वह उग्र सैनिकवादी था। उसका कहना था कि **विशाल सेनाओं के साथ ईश्वर चलता है** परंतु उसने यह नहीं सोचा कि एकमात्र सेनाओं के बल पर अधिक दिन तक राज्य नहीं टिक सकते।

6. **<u>सैन्य दुर्बलता</u>** - नेपोलियन की सेना में अनेक आंतरिक दुर्बलता विद्यमान थे। हालिया शोध बताते हैं कि उनके पास भोजन तथा कपड़े का अभाव था। सैनिकों को कई कई महीनों तक वेतन नहीं मिलता था। नेपोलियन ने बलात् भर्ती पर जोर दिया था जिससे उसकी सेना में जर्मनी, पोलैंड, इटली, डेनमार्क और स्पेन आदि अनेक देशों के सैनिक थे। इससे सेना में आंतरिक निर्बलता आ गई थी। उन में राष्ट्रीयता की भावना का अभाव था। नेपोलियन ने अनेक देशों में उनके ही खर्चों पर अपनी सेनाएं रखी थी, इससे विदेशों में उसकी सेनाएं अप्रिय हो गई। फ्रांसीसी ने

Scanned with CamScanner

भी नेपोलियन की अनिवार्य सैनिक भर्ती का विरोध किया था ।

7. **<u>विश्वासघात की भावना -</u>** नेपोलियन में विश्वासघात की भावना भी थी। इसका उदाहरण पुर्तगाल तथा स्पेन है। उसके इस कार्य से उसके मित्र सशंकित हो गए। उसका मित्र रूस का जार सम्राट उससे खींचने लगा।

To be continued.....

BY:ARUN KUMAR RAI

Asst. Professor

P.G. Dept.of History

Maharaja College,Ara.

Scanned with CamScanner